डिजीटल पत्र

दैनिक

कांग्रेस दर्पण

पटना, 22 जून, शनिवार, 2024

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना - 10

NEET परीक्षा में पेपर लीक और धांधली से प्रताड़ित छात्रों से जननायक श्री Rahul Gandhi ने मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। PM मोदी की नाकामी के कारण देश के लाखों छात्र और उनके परिवार हताश हैं। हम इस लड़ाई में उनके साथ हैं, न्याय होकर रहेगा।

-श्री राहुल गांधी

भाजपा शासन में पेपर लीक राष्ट्रीय त्रासदी: डा0 अखिलेश

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

पटना
नीट यूजी परीक्षा में हुए व्यापक धांधली के खिलाफ बिहार कांग्रेस के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेसजनों ने शुक्रवार को राजधानी के इनकम टैक्स गोलम्बर पर इकट्ठा होकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रतियोगिता परीक्षा में हो रही धांधली पर कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा शासन है वहां-वहां इस तरह की घटनाएं बराबर होती रही हैं। भाजपा शासन में देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था धांधली का शिकार होती जा रही है। पेपर लीक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। शिवराज सिंह चैहान की नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार में व्यापम घोटाला से इसकी शुरूआत हुई और उत्तर प्रदेश होते हुए यह बिहार पहुँच गई। उत्तर प्रदेश के भाजपा शासन में शायद ही कोई परीक्षा हुई जिसमें पेपर लीक नहीं हुआ या धांधली नहीं हुई। इसीलिए कांग्रेस ने पेपर लीक को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया और अपने

मैनिफेस्टो में शामिल किया।

उन्होंने कहा कि दरअसल भाजपा शिक्षा और परीक्षा की अहमियत को समझने में नाकाम रही है। बेरोजगारी के दंश से युवा पहले से अवसाद से ग्रसित हैं और इस तरह के मामले उनको भावनात्मक स्तर पर तोड़ने का काम करती है। डा0 सिंह ने कहा कि युवा देश का भविष्य है और उनके भविष्य से खिलवाड़ करने का अर्थ है देश को गर्त में ढकेलना। सालो भर बच्चे दिन-रात मेहनत करके परीक्षा की तैयारी करते हैं। और पता चलता है कि शिक्षा माफिया सरकार के संरक्षण से पेपर लीक कर देता है। ये घिनौना खेल है जो बच्चों की जिन्दगी को त्रासद बनाता है। नेशनल टेस्टींग एजेन्सी मजाक का केन्द्र बनता जा रहा है। क्योंकि इस तरह की घटना पहली नहीं है। पेपर लीक एक राष्ट्रीय त्रासदी बनता जा रहा है। इसकी गहन जाँच होनी चाहिए और पूरी व्यवस्था की बुनियादी ढाँचे को दुरूस्त करने की जरूरत है। ताकि युवा पीढ़ी के दिमाग में परीक्षा की विश्वसनीयता कायम रहे।

विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले नेताओं में कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, पार्षद डा0 समीर कुमार सिंह, पूर्व सांसद अजय निषाद, विधायक नीतू सिंह, लाल बाबू लाल, निर्मल वर्मा, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, अनिल कुमार, आनन्द माधव, राज कुमार राजन, प्रभात कुमार सिंह, ज्ञान रंजन, शरवत जहां फातिमा, कुमार आशीष, आलोक हर्ष, केसर कुमार सिंह, संजय यादव, राज किशोर सिंह, शिव प्रकाश गरीब दास, नागेन्द्र कुमार विकल, आशुतोष शर्मा, उदय शंकर पटेल, शशि रंजन,विजय कुमार मिट्ठू, रामाशंकर पाण्डेय, सुदय शर्मा, संजीव कर्मवीर, अखिलेश्वर सिंह, अशोक गगन, विशाल झा, गुरूजीत सिंह, वसी अख्तर, आदित्य पासवान, अनूप कुमार सिंह, अमित सिकन्दर, कामरान हुसैन, रवि गोल्डन, शरीफ रंगरेज, अजय पासवान, पंकज यादव, प्रदुम्न यादव, ध्रुव कुमार सिंह, संजय पाण्डेय, सुमित कुमार सन्नी, सत्येन्द्र बहादुर, राहुल पासवान, विमलेश तिवारी, पंकज पासवान, निधि पाण्डेय, राजनन्दन कुमार आदि प्रमुख हैं।

केंद्र सरकार ने नहीं माना बिहार सरकार का प्रस्ताव ऐसी सरकार का हिस्सा क्यों बने हैं नीतीश कुमार : मंजीत आनन्द साहू

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

बिहार युवा कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष मंजीत आनन्द साहू ने जदयू अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है की बिहार सरकार द्वारा ओबीसी, ईबीसी, एससी. एसटी. के पचास प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर पैंसठ प्रतिशत करने के कैबिनेट द्वारा पारित किया गया । राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से बिहार में बढ़ाये गए आरक्षण को नौवीं अनुसूचि में डालने की मांग की । इस मांग को केंद्र सरकार ने नहीं माना ।

ऐसे में आरक्षण विरोधी मोदी सरकार का हिस्सा क्यों बने हैं नीतीश कुमार । विदित हो की अगर केंद्र सरकार बिहार सरकार द्वारा बढ़ाई गई आरक्षण सीमा को नौवीं अनुसूची में शामिल कर लेता तो हाइकोर्ट इसे रद्द नहीं कर सकती थी ।

श्री मंजीत साहू ने कहा की जब सभी दलों की सहमति से बिहार में जातिगत सर्वे हुआ जिसमें बिहार भाजपा की भी सहमति रही, साफ है की भाजपा ला असली चरित्र वंचित वीरोधी है, आरक्षण वीरोधी है। गौरतलब है की बिहार में हुए जातिगत सर्वे के बाद अतिपिछडे छत्तीस प्रतिशत, पिछड़े सत्ताईस प्रतिशत और अनुसूचित जाति व जनजाति की संख्या एकीस प्रतिशत संख्या सामने आई । इसी संख्या के आधार पर सरकार का यह फैसला है । लोकसभा चुनाव के दौरान नरेंद्र मोदी अमीत शाह आरक्षण के हिमायती होने का दावा कर रहे हैं ।

अगर वे आरक्षण और वंचितों के हितैषी हैं तो बिहार में बढ़े हुए आरक्षण को नौवीं अनुसूचि में डालें । ऐसा नहीं किया तो दो हजार पचीस के विधान सभा चुनाव में भाजपा जदयू सहित राजग का बिहार से सफाया हो जाएगा ।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों पर राहुल का केंद्र पर हमला

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को यूजीसी नीट यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने इसे लेकर केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी का नाम लेकर हमला बोला। राहुल ने कहा, ₹सभी शिक्षण संस्थानों को भाजपा के लोगों ने कैप्चर कर रखा है। जब तक इन्हें मुक्त नहीं कराया जाएगा, तब तक यह चलता रहेगा। पीएम मोदी इस लीक को रोक नहीं पाए। एक परीक्षा में गड़बड़ियों के बाद आप रद्द कर चुके हैं, पता नहीं दूसरे को रद्द किया जाएगा या नहीं। लेकिन कोई न कोई तो इसके लिए जिम्मेदार है और इसके लिए किसनी न किसी को तो पकड़ा जाना चाहिए।

राहुल ने कहा नीट पेपर और यूजीसी–नेट के पेपर लीक हुए हैं। कहा जा रहा था कि नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन की लड़ाई रोक दी थी। इस्त्राइल और गाजा की लड़ाई को भी नरेंद्र मोदी ने रोक दी थी। लेकिन किसी न किसी कारण में हिंदुस्तान में जो पेपर लीक हो रहे हैं उन्हें नरेंद्र मोदी नहीं रोक पा रहे या फिर रोकना नहीं चाहते।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि शिक्षण संस्थाओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके मातृत्व संगठन से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाएगा तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में हुए 'व्यापमं' घोटाले को पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है। बिहार में पेपर लीक आरोपियों के पकड़े जाने को लेकर राहुल ने कहा कि हमने पहले ही कहा है कि जांच होनी चाहिए और जिन्होंने भी पेपर लीक कराया है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आगामी संसद सत्र में इस मुद्दे को उठाने की बात भी कही।

पेपर लीक स्कैम और भ्रष्टाचार का पुरजोर विरोध

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

आज Indian National Congress — Rajasthan के अध्यक्ष Govind Singh Dotasra जी के नेतृत्व में राजस्थान कांग्रेस के साथियों ने NEET पेपर लीक स्कैम और भ्रष्टाचार का पुरजोर विरोध किया।

पेपर लीक को लेकर मोदी सरकार की लापरवाही देश की नींव को कमजोर कर रही है। ये लाखों युवाओं और उनके माता–पिता के साथ धोखा है।

24 लाख युवाओं का भविष्य दांव पर है। हम हर कदम पर उनके साथ खड़े हैं। युवाओं को न्याय दिलाकर ही रहेंगे।

नीट व यूजीसी नेट की परीक्षा में हुई धांधली को लेकर कांग्रेस का जबरदस्त प्रदर्शन

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। नीट परीक्षा में हुई धांधली और यूजीसी नेट की परीक्षा रद्द करने के लिए जिम्मेदार प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने शुक्रवार को सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रदेश मुख्यालय से विधान सभा घेराव के लिए निकले। हालांकि थोड़ा ही आगे चलने पर बैरिकेडिंग कर पुलिस ने सभी को रोक लिया। यहां कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। इसी बीच अजय राय समेत पार्टी नेता बैरिकेडिंग लांघकर आगे बढ़ने लगे। पुलिस ने बलपूर्वक उनको रोका और यहां भी काफी धक्का मुक्की हुई।

इसके बाद पुलिस जबरदस्ती प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डेन ले गई। इस दौरान कार्यकर्ता छात्रों के हित में परीक्षा रद्द करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

चंडीगढ़

कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले आप पार्टी के नेता मीटिंग करते हैं, लेकिन इनसे किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता। साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल की रिहाई पर हाई कोर्ट से रोक लगने के बाद चुटकी ली।

चन्नी ने कहा कि आज पंजाब के पश्चिमी इलाके में गंदा पानी आ रहा है। दो साल हो गए, आप पार्टी की सरकार को सत्ता में आए, लेकिन इनकी सरकार ने किसी भी ट्यूबवेल की मरम्मत नहीं की। इलाके का पानी इतना गंदा है कि कोई इससे नहा भी नहीं सकता, पीने की बात तो दूर।

चन्नी ने कहा कि इसी तरह गलियों में सीवरेज का गंदा पानी बह रहा है। आप पार्टी को चाहिए था कि सवा दो साल में वह जनता के लिए कुछ बेहतर सोचे, लेकिन मान सरकार ने ऐसा नहीं किया। चन्नी ने कहा कि अब इस पार्टी के नेताओं को हराने का समय आ गया है। चन्नी ने कहा कि दो साल में इनकी सत्ता के दौरान लूटपाट, नशा सहित कई बुरे काम काफी बढ़ गए हैं, लेकिन इनका लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह फेल है।

वहीं केजरीवाल की जमानत को लेकर चन्नी ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पता लगा है कि बॉर्डर पर लड़ाई लड़ने के लिए सीएम केजरीवाल गए हुए थे और वहां पर जीत हासिल हुई तो वह वापिस लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी वापसी को लेकर पटाखे चलाए जा रहे थे कि रास्ते में ही पता चला कि अभी लड़ाई और बाकी है, जिसके चलते उन्हें वापस बुला लिया गया।

बता दें कि केजरीवाल को दिल्ली की निचली अदालत ने गुरुवार को जमानत दे दी थी, लेकिन शुक्रवार को हाई कोर्ट ने उनकी रिहाई पर रोक लगा दी। चन्नी इसी बात का मजाक उड़ा रहे थे। चन्नी ने कहा कि 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को जा रही है। कौन सा ऐसा काम करके लौट रहे थे कि कार्यकर्ताओं ने पटाखे जलाने शुरू कर दिए थे।

भर्तृहरि महताब के नाम पर हुआ विवाद, कांग्रेस बोली ये

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में भर्तृहरि महताब की नियुक्ति हो चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में महताब के नाम पर मुहर लगाई। उधर विपक्ष ने भर्तृहरि महताब के लोकसभा प्रोटेम स्पीकर नियुक्त होने पर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि परंपरा के अनुसार, जिस सांसद ने अधिकतम कार्यकाल पूरा किया है, उसे प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जाता है। इस दौरान जब सभी नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई जाती है। उन्होंने आगे लिखा कि 18वीं लोकसभा में सबसे वरिष्ठ सांसद कांग्रेस के कोडिकुन्निल सुरेश और भारतीय जनता पार्टी के वीरेंद्र कुमार हैं। ये दोनों नेता अपना आठवां कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। जयराम रमेश के अनुसार ऐसी उम्मीद थी कि कोडिकुन्निल सुरेश लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर होंगे। इसके बजाय सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है।

आपको बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति कर दी है। ओडिशा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा सत्र के मद्देनजर इस पद पर नियुक्त किया गया है। महताब सात बार के सांसद हैं और अगले स्थायी स्पीकर की नियुक्ति तक वे सदन में स्पीकर की सभी जिम्मेदारियां निभाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 95(1) के तहत भाजपा सांसद को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है।

दिग्विजय सिंह ने शैक्षिक संस्थानों के पाठ्यक्रम में भगवान राम और भगवान कृष्ण का पाठ पढ़ाए जाने पर सवाल खड़े किए

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शैक्षिक संस्थानों के पाठ्यक्रम में भगवान राम और भगवान कृष्ण का पाठ पढ़ाए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि राम और कृष्ण ही क्यों, सभी धर्म के गुरुओं के विचारों की शिक्षा दी जानी चाहिए। दिग्विजय सिंह ने कहा, राम और कृष्ण हमारे आदर्श हैं। शैक्षिक संस्थानों में उनके विचारों को पढ़ाना चाहिए, लेकिन क्या गुरु नानक, जीसस और मोहम्मद साहब के बारे में नहीं पढ़ाना चाहिए? इस दौरान कांग्रेस नेता ने भाजपा पर हमला करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यशैली पर अपनी राय रखी।

उन्होंने कहा कि हमें संघ से सीखना चाहिए। संघ कभी सड़कों पर धरना प्रदर्शन नहीं करता है, बल्कि अपने विचारों को घर-घर पहुंचाता है।

इससे पहले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विश्व योग दिवस के मौके पर राज्य के उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में भगवान राम और श्रीकृष्ण से जुड़े तथ्यों को शामिल करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि प्रदेश सरकार ने राम और कृष्ण पथ गमन का काम भी अपने हाथ में लिया है और उनके विचारों को पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाएगा। इसी पर अब दिग्विजय सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

इससे पहले नीट यूजी 2024 परीक्षा, मध्य प्रदेश की नर्सिंग परीक्षा और इंदौर विश्वविद्यालय में हुई गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर शुक्रवार को धरना दिया। जिसमें दिग्विजय सिंह भी शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने परीक्षा में हो रही गड़बड़ी को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोला। पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल का कहना है कि परीक्षाओं में एक के बाद एक गड़बड़ियां सामने आ रही हैं, यह चिंता का विषय है और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी।

नीट पेपर लीक पर तेजस्वी ने तोड़ी चुप्पी, अपने पीएस पर दिया ये बयान

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में रोज नए–नए खुलासे हो रहे हैं। एक दिन पूर्व ही उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पर्सनल सेक्रेटरी प्रीतम पर आरोप लगाया था। अब इस मामले पर तेजस्वी यादव ने जोरदार पलटवार किया है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि यदि सरकार को कोई शंका है तो मेरे आप्त सचिव (पीएस) को बुला करके पूछताछ कर ले। जो भी दोषी हो उस पर कार्रवाई करें। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि इन लोगों से नहीं हो रहा है तो मैं मुख्यमंत्री को बोल देता हूं जो भी दोषी हैं उनको गिरफ्तार करें।

तेजस्वी यादव ने कहा कि जो इंजीनियर गिरफ्तार हुआ है वह बेनिफिशियरी हो सकता है, लेकिन मास्टरमाइंड अमित आनंद है। मास्टरमाइंड नितेश कुमार है। हम लोगों ने फोटो भी साझा कर दी है। वहीं उप मुख्यमंत्री सिन्हा के बयान पर कहा कि उन्हें कोई ज्ञान नहीं है और आर्थिक अपराध इकाई के अधिकारी तो उनको कुछ ब्रीफ करते नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक भर्ती के जो आरोपी थे वह बिना जेल गए बाहर बाहर रहकर बेल भी ले ली। हमे सब जानकारी है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि पूरे मामले को डायवर्ट किया जा रहा है। हमसे जोड़ा जा रहा है हम तो स्पष्ट तौर पर बोलते हैं कि जिनको जो जांच करनी है कर ले।तेजस्वी यादव ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री बिहार का लगातार दौरा कर रहे हैं तब से बिहार में पुल गिर रहा है और कुछ ना कुछ हो रहा है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री हर मामले में चुप्पी साधे हुए हैं।

दरअसल, विजय सिन्हा ने कहा था तेजस्वी यादव के पीएस के कहने पर सरकारी गेस्ट हाउस बुक किया गया था। विजय सिन्हा के बयान के बाद ही बिहार में सियासी भूचाल आ गया। आरजेडी, भाजपा पर पूरी तरह से हमलावर हो गई।

TMC के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश में कांग्रेस, प्रियंका गांधी के लिए प्रचार कर सकती हैं ममता बनर्जी

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

कोलकाता
वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी से केरल की वायनाड सीट से लोकसभा (लोस) उपचुनाव लड़ने जा रहीं प्रियंका गांधी वाड्रा के समर्थन में प्रचार करने का आग्रह किया है। चिदंबरम ने गुरुवार को कोलकाता आकर ममता से मुलाकात की थी। मालूम हो कि ममता के प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहद अच्छे संबंध हैं। ममता ने लोस चुनाव से पहले हुई I.N.D.I.A की बैठक में प्रियंका के वाराणसी सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा था। कांग्रेस अब चाहती है कि ममता प्रियंका के समर्थन में वायनाड जाकर प्रचार करें। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस तृणमूल के साथ अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश में है। इसे उस दिशा में भी पहल बताया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश पार्टी नेता अधीर रंजन चौधरी के पुरजोर विरोध के कारण हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में बंगाल में कांग्रेस–तृणमूल के बीच गठबंधन नहीं हो पाया था। इससे दोनों के संबंध में दरारें आ गई हैं। चिदंबरम उसे पाटने की कोशिश कर रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी : शरद पवार

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी क्योंकि सदन में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के विभिन्न घटकों में सबसे ज्यादा सांसद कांग्रेस के पास हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष के किसी सदस्य को लोकसभा का उपाध्यक्ष बनाए जाने के प्रयास किए जाएंगे, पवार ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी पिछली सरकार में इस 'नियम' का पालन नहीं किया था।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा होगी, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि इसका कोई सार्थक नतीजा निकलेगा। पवार महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 543 सदस्यीय लोकसभा के लिए हाल ही में संपन्न आम चुनाव में 240 सीट पर जीत हासिल की और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाई। वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के विभिन्न घटकों में कांग्रेस को सबसे ज्यादा 99 सीट पर कामयाबी मिली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, 'पहले हम इस बात पर सहमत थे कि यह पद सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी को मिलेगा। आज, कांग्रेस के पास लोकसभा में (विपक्षी दलों के बीच) सबसे अधिक सीट हैं, इसलिए वे तय करेंगे कि इस पद पर किसे नियुक्त किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस द्वारा फैसला किए जाने के बाद, उसे हमारे गठबंधन (इंडिया) की सहमति की आवश्यकता होगी।'

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) की सफलता को लेकर पवार ने दावा किया कि लोगों का प्रधानमंत्री मोदी पर से भरोसा उठ गया है और 'मोदी की गारंटी' फर्जी साबित हुई। उन्होंने कहा, 'राज्य के लोग इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि पिछले पांच साल में उन्होंने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए।'

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) के गठबंधन एमवीए ने आम चुनाव में राज्य की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल की है।

महाराष्ट्र विधानपरिषद चुनावः चार सीट पर पूर्व मंत्री परब समेत 55 प्रत्याशी चुनाव मैदान में

महाराष्ट्र विधानपरिषद के चार निर्वाचन क्षेत्रों के आगामी चुनाव में 4.29 लाख मतदाता 55 प्रत्याशियों की राजनीतिक तकदीर का फैसला करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राज्य विधानमंडल के उच्च सदन के मुबई स्नातक, मुंबई शिक्षक, नासिक शिक्षक और कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में द्विवार्षिक चुनाव 26 जून को होंगे और परिणाम एक जुलाई को घोषित किये जाएंगे।

इन सीट पर चुनाव इसलिए जरूरी हो गया है क्योंकि वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल जुलाई में पूरा हो रहा है।

मुंबई स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में आठ प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मुख्य मुकाबला राज्य के पूर्व मंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अनिल परब और भाजपा के किरण शेलार के बीच होने की संभावना है।

कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के विधानपरिषद सदस्य निरंजन दावखरे और कांग्रेस प्रत्याशी रमेश कीर के बीच सीधी टक्कर होगी। इस सीट पर चुनाव में 13 प्रत्याशी हैं।

मुंबई शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना (यूबीटी) के जे एम अभयंकर और राकांपा के शिवाजी नालवड़े समेत 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

भाजपा निर्दलीय प्रत्याशी शिवनाथ दर्दे का समर्थन कर रही है जबकि शिवसेना निर्दलीय उम्मीदवार शिवजी शेंडगे का साथ दे रही है।

नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना (यूबीटी) के संदीप गुल्वे, निर्दलीय विवेक कोल्हे और शिवसेना के किशोर दर्दे समेत 21 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

बंगाल में कांग्रेस को झटका अधीर रंजन का अध्यक्ष पद से इस्तीफा, खुद भी नहीं जीत पाए

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नईदिल्ली

बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा हो गया है। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को बंगाल में एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। खुद अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर लोकसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें टीएमसी कैंडिडेट युसूफ पठान के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, जो पूर्व में क्रिकेटर रहे हैं। कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने शुक्रवार को एक मीटिंग भी बुलाई। इस मीटिंग में चुनाव नतीजों को लेकर बात हुई।

एक सवाल यह भी उठा कि वामपंथी दलों के साथ गठजोड़ करने का फैसला ऊपर से थोपा गया। इसके लिए जमीनी स्तर के नेताओं और राज्य के बड़े नेताओं को भी भरोसे में नहीं लिया गया। चुनाव नतीजों की समीक्षा वाली मीटिंग में जिलाध्यक्षों ने गठबंधन को लेकर चिंता जताई और कहा कि इसके लिए राय नहीं ली गई। बता दें कि अधीर रंजन चौधरी खुद सीपीएम के साथ गठबंधन के पक्ष में रहे हैं। कहा जाता है कि वह उत्तर बंगाल और खुद अपने जिले में कांग्रेस की स्थिति मजबूत रखने के लिए सीपीएम का सहारा लेते हैं।

इस मीटिंग में केंद्रीय पर्यवेक्षक गुलाम अहमद मीर से राज्य के नेताओं ने अपनी चिंताएं जाहिर की। उन्होंने कहा कि सीपीएम के साथ गठजोड़ में दक्षिण बंगाल का ध्यान नहीं रखा गया। जिलाध्यक्षों की बात को भी नहीं सुना गया।

इन नेताओं का कहना था कि जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में सीपीएम के साथ गठजोड़ को लेकर नाराजगी है। नेताओं का कहना है कि हम लोगों से बिना किसी चर्चा के ही यह फैसला लिया गया। इस मौके पर अधीर रंजन चौधरी भी मौजूद थे। गठबंधन को लेकर आलोचना किए जाने पर अधीर रंजन ने सफाई भी दी। उन्होंने अकेले ही किसी व्यक्ति पर आरोप नहीं लगाया जा सकता। वहीं तृणमूल कांग्रेस के विरोध पर उन्होंने कहा कि टीएमसी ने जिस तरह से कांग्रेस पर अटैक किया था। उसको देखते हुए मेरे लिए जरूरी था कि जवाब दूं।

अमरवाड़ा विधानसभा में हो रहे उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने पूर्व सभी वरिष्ठ नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

एभोपाल

छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा में हो रहे उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, दिग्विजय सिंह, पूर्व सांसद नकुल नाथ सहित सभी वरिष्ठ नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है। अमरवाड़ा में शुक्रवार को नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गई। 10 जुलाई को मतदान और 13 जुलाई को मतगणना होगी।

प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, अरुण यादव, राज्य सभा सदस्य विवेक तन्खा एवं अशोक सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, एनपी प्रजापति को स्टार प्रचारक बनाया है।

इसके अलावा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव संजय कपूर, विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री तरुण भनोत एवं सुखदेव पांसे, विधायक जयवर्धन सिंह, आरिफ मसूद, लखन घनघोरिया, बाला बच्चन, रजनीश सिंह, सुनील उइके, चौधरी सुजीत मेर सिंह, विजय चौरे, सोहनलाल वाल्मीकि को भी पार्टी ने स्टार प्रचारक बनाया है।

स्टार प्रचारकों की लिस्ट में निलेश उइके, रामसिया भारती, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व विधायक हिना कांवरे, संजय शर्मा, सुनील जायसवाल, कुणाल चौधरी, गंगा तिवारी, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल, सेवादल अध्यक्ष योगेश यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव, एनएसयूआइ के अध्यक्ष आशुतोष चौकसे का भी नाम शामिल है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुलिस भर्ती पेपर लीक में गुजराती कंपनी पर हो FIR

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक और गुजरात की कंपनी से इसके कनेक्शन को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि 'भाजपाइयों' की है यही पहचान, झूठों को काम, झूठों को सलाम। आगे उन्होंने कहा कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं कि पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर आयोजित करवाने वाली गुजरात की कंपनी का ही, पेपर लीक करवाने में हाथ है और उसका मालिक जब सफलतापूर्वक विदेश भाग गया, उसके बाद ही उत्तर प्रदेश सरकार ने उसके बारे में जनता को बताया और जनता के गुस्से से बचने के लिए दिखाने भर के लिए उस कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया।

यूपी सरकार उस कंपनी और उसके मालिक के खिलाफ एफआईआर की कॉपी सार्वजनिक करे। गुजरात भेजकर उसकी संपत्ति से खामियाजा वसूलने की हिम्मत दिखाए। ऐसे आपराधिक लोग

यूपी के 60 लाख युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के दोषी हैं। यूपी की भाजपा सरकार साबित करे कि वो इन अपराधियों के साथ है या प्रदेश की जनता के साथ।

यूपी में काम करनेवाली हर कंपनी के इतिहास और उसकी सत्यनिष्ठा–गुणवत्ता की जांच की जाए। आरोप लगाते हुए कहा कि जब बेईमान और कलंकित कंपनियों को काम दिया जाए तो जनता को समझ लेना चाहिए कि इसमें काम देने वाले यूपी सरकार के उस मंत्रालय और उसके विभाग के लोगों की भी हिस्सेदारी है मतलब 'ये भ्रष्टाचार की साझेदारी' है। इस परीक्षा के आयोजन से संबंधित कंपनी ही नहीं बल्कि हर एक संलिप्त मंत्री या अधिकारी की भी जांच हो और जब तक जांच पूरी न हो जाए, तब तक उसे उसके काम से मुक्त रखा जाए और संलिप्तता सिद्ध होने पर बर्खास्त करके कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

हम मांग करते हैं कि यूपी में काम कर रही या काम करने की इच्छुक हर बाहरी कंपनी की गहन जांच हो और सब कुछ सही पाये जाने पर ही काम दिया जाए। ऐसा नहीं करने पर जब काम गलत होता है तो उससे यूपी की छवि को ठेस पहुंचती है और प्रदेश के पैसों की बर्बादी भी होती है। इन सबका ख़ामियाजा आखिर में आम जनता को ही भुगतना पड़ता है। साथ ही ये भी मांग है कि उप्र की कंपनियों को प्राथमिकता दी जाए और केवल तभी बाहरी कंपनियों को काम दिया जाए जब यूपी के सरकारी विभागों, निगमों, बोर्डों या स्थानीय कंपनियों के पास कार्य को समय की सीमा में गुणवत्तापूर्वक संपन्न कराने या उतने बड़े काम नहीं करने के अनुभव का अभाव हो।

यूपी के आक्रोशित युवा पूछ रहे हैं कि यूपी के बुलडोजर के पास बाहर के राज्यों में जाने का लाइसेंस और साहस है क्या? और ये भी कि जिस मंत्रालय के तहत पुलिस भर्ती परीक्षा हुई थी उसके मंत्री और अधिकारियों की तरफ बुलडोजर मुड़ता भी है या नहीं। यूपी की जनता ये भी याद रखे कि ये वो ही भाजपा सरकार है, जो कल तक ठेके पर पुलिस रखने का फरमान निकाल रही थी. घोर निंदनीय! विभिन्न परीक्षाओं का पेपर लीक होना, सरकार की सत्यनिष्ठा पर सवालिया निशान है।

सिद्दरमैया ने कहा कि मातृभाषा में बोलना गर्व की बात है, कर्नाटक में रहने वालों को कन्नड़ सीखना चाहिए

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने कहा कि कन्नड़ भाषा, भूमि और जल की रक्षा करना यहां के लोगों की जिम्मेदारी है। उन्होंने राज्य में रहने वाले लोगों से अपील की कि वह कन्नड़ भाषा सीखें। वह बेंगलुरु में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सिद्दरमैया ने कहा कि मातृभाषा में बोलना गर्व की बात होनी चाहिए। सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कर्नाटक में रहने वाले लोगों के साथ कन्नड़ में बात करें। एक प्रण लेना चाहिए कि कर्नाटक में कन्नड़ के सिवाय कोई और भाषा नहीं बोलेंगे।

कर्नाटक के लोग उदार हैं– सिद्दरमैया

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोग उदार हैं। यही कारण है कि जो कन्नड़ नहीं भी जानते हैं वह बिना इसे जाने यहां रह रहे हैं। ऐसी ही समान स्थिति तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में नहीं है। वे सिर्फ मातृभाषा में बात करते हैं। हमें भी इसका अनुसरण करना चाहिए।

विधान सौध में बन रही नाद देवी भुवनेश्वरी की कांस्य प्रतिमा

सीएम सिद्दरमैया विधान सौध के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास नाद देवी भुवनेश्वरी की कांस्य प्रतिमा के निर्माण के लिए भूमि पूजा के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधान सौध के परिसर में लगभग 25 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का निर्माण किया जाएगा। यह एक नवंबर 2024 तक काम पूरा हो जाना चाहिए।

पेपर लीक के तार भाजपा शासित राज्यों से जुड़े: राजेश ठाकुर

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

रांची। नीट परीक्षा में भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी प्रदर्शन के तहत शुक्रवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के तत्वावधान में शहीद चौक से राजभवन तक विरोध मार्च निकाला गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता शहीद चौक से कचहरी चौक होते हुए राजभवन पहुंचे और सभा की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि देश में पिछले पांच सालों में 43 भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक हुए। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। केंद्र की भाजपा सरकार इन युवाओं को कुशल और सक्षम बनाने की जगह उन्हें कमजोर बना रही है। करोड़ों होनहार छात्र दिन–रात मेहनत कर रहे हैं। उनके माता–पिता पेट काट कर पढ़ाई करा रहे हैं। ये आशा करते हैं कि वैकेंसी निकलेगी। वैकेंसी निकलती है और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है।

ठाकुर ने कहा कि भाजपा की तरफ से बार–बार यह दावा किया जा रहा है कि नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन का युद्ध रोकवा दिया, लेकिन वह पेपर लीक नहीं रोकवा पा रहे हैं। पेपर लीक का सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा ने पूरे सिस्टम को कैप्चर कर रखा है। इसलिए इसके तार भाजपा शासित राज्यों से जुड़े हुए हैं। जब तक सिस्टम दुरुस्त नहीं होगा, पेपर लीक चलता रहेगा, लेकिन कांग्रेस पार्टी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देगी। कहा कि पेपर लीक मामले में देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अविलंब इस्तीफा देना चाहिए और नीट की परीक्षा रद्द करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी परीक्षा पर चर्चा करते रहते हैं, लेकिन पेपर लीक पर कुछ नहीं बोलते हैं। राहुल गांधी ने न्याय की लड़ाई 11 हजार किमी पैदल चल कर पूरी की है और आगे भी लड़ाई लड़ते रहेंगे। आंदोलन को अंजाम तक पहुंचा कर रहेंगे।

PM मोदी परीक्षा पर चर्चा करते रहते हैं, पर पेपर लीक पर कुछ नहीं बोलते

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

जब धर्मेंद्र प्रधान दिल्ली यूनिवर्सिटी गए तो छात्रों ने उन्हें योग नहीं करने दिया और काले झंडे दिखाए।

जिस तरह से परीक्षाओं में घोटाले हुए हैं, उसे लेकर छात्रों में बहुत नाराजगी है।

घोटाले के तीन बड़े मुख्य केंद्र– उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात, तीनों इखढ शासित राज्य हैं। प्रधानमंत्री इससे भाग नहीं सकते हैं।

PM मोदी परीक्षा पर चर्चा करते रहते हैं, पर पेपर लीक पर कुछ नहीं बोलते हैं।

वहीं 4 साल पहले PM मोदी केंद्र सरकार की संस्थाओं में भर्ती के लिए नेशनल रिक्रूटमेंट एजेंसी लाए थे। NRA को बजट में 1600 करोड़ रुपए दिए गए, लेकिन आज तक NRA ने एक भी परीक्षा नहीं करवाई। ये सब हेड लाइन के लिए किया जाता है।

: जयराम रमेश जी